निष्कर्ष

माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का अकादमिक प्रदर्शन जानने के लिए उनके कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं का अध्ययन किया गया। अभिभावकों और अध्यापकों का मानना है कि जो विद्यार्थी/बच्चे सरकारी एवं निजी माध्यमिक विद्यालय में पढ़ते हैं, उनका अच्छा अकादमिक प्रदर्शन भाग्य एवं प्रश्न की कठिनाई पर निर्भर करता है। इसी प्रकार उनके खराब प्रदर्शन की व्याख्या के लिए उन्होंने प्रश्न की कठिनाई व बुद्धि को प्रमुख कारण माना।

इसीप्रकार जब अभिभावकों एवं अध्यापको से विद्यार्थियों के अकादमिक प्रदर्शन से संबन्धित कुछ प्रश्नों को पूछा गया तो प्रश्नों के आधार पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए, जो इस प्रकार है:

- अकादमिक संकेतक के रूप में सरकारी माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के अभिभावक ने शैक्षिक अभिरुचि जबकि उनके अध्यापक विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि को महत्वपूर्ण मानते हैं। वहीं निजी माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक एवं अध्यापक दोनों शैक्षिक अभिरुचि को महत्वपूर्ण मानते हैं।
- अच्छे अकादमिक प्रदर्शन की विशेषता के रूप में सरकारी माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक शैक्षिक अभिरुचि को जबकि अध्यापकों ने अनुशासन को प्रमुख माना । वहीं दूसरी तरफ निजी माध्यमिक विद्यालय के अभिभावक एवं अध्यापक दोनों समान रूप से अनुशासन को विद्यार्थियों के अच्छे अकादमिक प्रदर्शन की विशेषता के लिए उत्तरदायी मानते हैं।
- खराब प्रदर्शन की कमियों में सरकारी माध्यमिक विद्यालय के अभिभावक व्यवहारिक अयोग्यता को जबकि अध्यापक शैक्षिक अभिरुचि में कमी को, वहीं दूसरी तरफ निजी माध्यमिक विद्यालय के अभिभावक एवं अध्यापक दोनों शैक्षिक अभिरुचि को खराब अकादमिक प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार मानते हैं।
- लिंग भेद के आधार पर विद्यार्थियों के अकादमिक प्रदर्शन में प्रतिभागियों के दृष्टिकोण से यह पता चलता है कि लिंग भेद अकादमिक प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न नहीं करता।

- आर्थिक स्थिति के आधार पर विद्यार्थियों का अकादमिक प्रदर्शन में प्रतिभागियों के दृष्टिकोण से यह पता चलता है कि उनकी आर्थिक स्थिति अकादमिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- शैक्षिक स्थिति के आधार पर विद्यार्थियों का अकादमिक प्रदर्शन में प्रतिभागियों के दृष्टिकोण से यह पता चलता है कि विद्यार्थियों के अच्छे अकादमिक प्रदर्शन के लिए अभिभावकों का शिक्षित होना बहुत ही आवश्यक है।
- प्रतिभागियों का कहना है कि विद्यार्थियों के अकादमिक प्रदर्शन में पारिवारिक एवं विद्यालय का अच्छा वातावरण होना बहुत ही जरूरी है।
- बच्चों के अकादमिक प्रदर्शन पर प्रतिभागियों का मानना है कि शिक्षा की नई तकनीक के द्वारा बच्चों के अकादमिक प्रदर्शन को बेहतर बनाया जा सकता है।
- अभिभावक एवं अध्यापक दोनों समान रूप से मानते हैं कि अच्छे अकादमिक प्रदर्शन के लिए विषय-ज्ञान का होना बहुत जरूरी है।
- शैक्षिक अभिप्रेरणा के द्वारा विद्यार्थियों के अकादमिक प्रदर्शन में अभिभावक और अध्यापक का दृष्टिकोण है कि बच्चों को शिक्षा के प्रति अभिप्रेरित करने से उनका अकादमिक प्रदर्शन अवश्य बढ़ेगा।

शोध-सीमा

- प्रस्तुत शोध वाराणसी जनपद के 6 सरकारी/निजी माध्यमिक विद्यालय के अभिभावकों एवं अध्यापकों (n=100) पर ही आधारित है।
- शोध में प्रतिदर्श की सीमित संख्या के कारण सामान्यीकरण करना संभव नहीं है।